⊙ Day--saturday....
⊙ Date--3/07/2021....

⊙ Subject--Hindi (हिंदी)....

⊙ Lesson no--OR. पाठ--6 अनंत लालसा...

⊙ शब्दार्थ।

- चरवाहा-- गाय - भैंसे चराने वाला
- बेहद-- अत्याधिक
- फ़रमाइश-- आज्ञा रूप में कुछ माँगना
- साक्षात-- आँखों के सामने,, प्रत्यक्ष
- सानी-- पशुओं का पानी में साना हुआ चारा
- अनंत -- जिसका कोई अंत न हो
- अंतर्धान-- गायब,, लुप्त
- डेयरी--दूध की दुकान
- आमदनी-- आय
- जेवर-- आभूषण
- वत्स-- बेटा
- कारोबार--काम-- धंधा

⊙ प्रश्नों के उत्तर लिखो!

[...1...] निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजीए ::

(क) बिरजू के बच्चों की दुर्बलता का क्या कारण था?

उत्तर:: बिरजू के दोनों ही बच्चे पूर्ण भोजन न मिल पाने के कारण बेहद दुर्बल थे।

(ख) ईश्वर बिरजू के कौन - कौन से गुणों से प्रसन्न थे?

उत्तर :: ईश्वर बिरजू की मेहनत और ईमानदारी,, इन दो गुणों से प्रसन्न थे।

(ग) बिरजू को क्यों लगने लगा कि उसके पास गाय की जगह भैंस होनी चाहिए थी?

उत्तर:: जब उसके पास गाय थी,, तब गाय का सारा दूध घर में ही खर्च हो जाता है। थोड़ा-बहुत ही दूध बचता था और वो उस दूध को दूसरों को बेचा करता था। धीरे-धीरे वह गाय का काफ़ी दूध बेचने लगा। पर धीरे-धीरे उसे लगने लगा की अगर उसके पास एक तगड़ी भैंस होती तो उसे भैंस के दूध के ज्यादा पैसे मिलते और घर में बच्चों व पत्नी को भी दूध की कमी न रहती।

(घ) दस भैंसें मिलने से बिरजू मुसीबत मे क्यों पड़ गया?

उत्तर: बिरजू को यह सवाल पड़ा की अब वह इन दस भैंसों को कहा पर रखेगा। तो फ़िर उसने दो भैंसें बेचकर थोड़ी जमीन ले ली। पर,, अब,,

Scanned with CamScanner

,,कभी भैंसों के लिए चारे की जरूरत होती,, तो कभी भैंसों का गोबर साफ़ करना पड़ता था।,, कभी इतनी सारी भैंसो का दूध निकालने की समस्या होती थी।

(ङ) बिरजू शहर जाकर क्या करना चाहता था?

उत्तर:: बिरजू शहर जाकर अपने बच्चों को अच्छे अंग्रेज़ी स्कूल में पढ़ाना चाहता था। और वह खुदका व्यापार या खुदकी बड़ी दुकान या फ़ैक्टरी

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए::

(क) बिरजू ने अंतिम इच्छा के रूप में भगवान से क्या माँगा?

उत्तर:: बिरजू ने पहले पाँच भैंसे माँगने की सोची पर।,, जब भगवान ने कहा की यह उसकी अंतिम इच्छा है,, ,,जो भगवान पूरी करेंगें। तब बिरजू ने सोच--समझकर कहा की मुझे पाँच नहीं बलकी दस भैंसे चाहिए।

(ख) अंत में ईश्वर ने बिरजू से क्या कहा? (मूल्यपरक प्रश्न)

उत्तर:: ईश्वर ने कहा की,, मैंने तुमसे कहा था। यह तुमाहरी अंतिम इच्छा है,, तो सोच-समझकर माँगना। लेकिन मैं मजबूर हूँ,,, क्योंकि तुम्हारी इच्छाएँ अनंत हैं। एक के बाद दूसरी इच्छा जन्म लेती ही जाती है। तुम जैसे थे वैसे ही रहो,,।

(ग) बिरजू की अंत में क्या दशा हुई?

उत्तर:: धीरे-धीरे बिरजू के व्यापार में घाटा हो गया। भैंसें बीमार होकर मरने लगीं। कुछ दिन बाद घर की वही पुरानी हालत हो गई। वह दूसरों की गायें चराने लगा और उसी तरह चरवाहा बनकर गरीबी का जीवन बिताने लगा।

Scanned with CamScanner

⊙Day--saturday....

⊙Date--3/07/2021....

(घ) बिरजू ने डेयरी का काम क्यों छोड़ना चाहा।?

उत्तर:: क्योंकी डेयरी में चारों तरफ़ मक्खियाँ भिनभिनाती रहती हैं,, हर तरफ़ गोबर पड़ा रहता है।

[......4......] निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तार से उत्तर लिखिए::

(क) अंतिम इच्छा पूरी होने से बिरजू की स्थिति में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर:: बिरजू का घर,, कुछ दिनों के बाद वही पुरानी हालत होगई थी,,और वह फिरसे दूसरों की गायें चराने लगा और उसी तरह चरवाह बनकर गरीबी का जीवन बिताने लगा।

(ख) "मनुष्य की इच्छाएँ अनंत हैं"-- कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए। (मूल्यपरक प्रश्न)

उत्तर:: बिरजू ने पहली बार भगवान से एक गाय माँगी,, फ़िर एक भैंस और उसके बाद दस भैंसे,,जो उसकी आखरी इच्छा थी,।,,पर फ़िरभी वह भगवान से कहता की उसे इस सब की या इनकी कतई जरूरत नहीं थी और फिर से और एक इच्छा माँगी पर वह पूरी नही हुई।

(ग) यह पाठ हमें क्या संदेश देता है? (मूल्यपरक प्रश्न)

उत्तर:: इस पाठ से हमें यह संदेश देता है,,की हमें कभी भी लालची नही होना चाहिए।

........XXX XXX X XXX........